

प्रेषक,

जी0एस0पाण्डे,

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण

उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 01 जून, 2010

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की योजनाओं के लिए प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-08/1-1(102)/2010-11, दिनांक-06 अप्रैल, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30(एस0सी0एस0पी0) के अंतर्गत आयोजनागत पक्ष में उद्यान विभाग से सम्बन्धित राज्य सैक्टर की योजनाओं के लिए प्राविधानित रू0-3470.00 हजार के सापेक्ष रू0-1735.00 हजार (रुपये सत्रह लाख पैंतीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन/आवंटन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- (2) धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किस्तों के रूप में किया जायेगा।
- (3) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-संख्या-187/XXVII(1)/2010, दिनांक-30 मार्च, 2010 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (4) किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (7) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (8) सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को योजनावार अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्येक माह वित्त विभाग को उपलब्ध कराई जायेगी।
- (9) व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- (10) योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय संबंधित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।



- (11) यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि अनुसूचित जाति क्षेत्र उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) हेतु आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जाय, साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम की कार्ययोजना भी तैयार की जाय, जिससे कार्यक्रम क्रियान्वयन की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके।
- (12) वर्ष 2009-10 में अनुसूचित जाति आयोजनान्तर्गत विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटित/व्यय धनराशि के सापेक्ष कराये गये कार्यो व लाभार्थियों की विकासखण्डवार/जनपदवार सूची समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ तथा शासन को उपलब्ध करायी जाय तथा इसी प्रकार इस वित्तीय वर्ष के लिए भी सूची तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी।
- (13) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि विभाग के नियंत्रणाधीन संबंधित आहरण-वितरण अधिकारियों को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हों।
- (14) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- (15) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-37(P)/वित्त अनु0-4/2010, दिनांक-28 मई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(जी0एस0पाण्डे)  
अपर सचिव।

संख्या-528 /XVI(1)/10/7(3)/10, तददिनांक,

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-4/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- ✓ 7- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के0पी0पाटनी)  
अनुसचिव।

शासनादेश संख्या- 528 /XVI(1)/10/7(3)/10, दिनांक- 01 जून मई, 2010 का संलग्नक

(धनराशि हजार रूपयें में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मद	आय-व्ययक प्राविधान	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4
	अनुदान सं०-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00- आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-		
1-	08-मधुमक्खी पालन (रा०सै०)		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	400	200
	42-अन्य व्यय	70	35
	योग-08	470	235
2-	10-सघन एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन का विकास		
	31-सामग्री और सम्पूति	2000	1000
	योग-10	2000	1000
3-	16-उद्यानों की घेरबाड़ योजना		
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	1000	500
	योग-16	1000	500
	योग राज्य सैक्टर-	3470	1735

(रु०सत्रह लाख पैंतीस हजार मात्र)

(के०पी०पाटनी)  
अनु सचिव।